सिंगापुर की जल-कथा

सिसिलिया तोर्त्जदा ◆ युगल जोशी ◆ असित के. बिस्वास

अनुवाद : रजनीश कुमार सिन्हा

अपनी अनेकानेक कठिनाइयों के बावजूद, व्यावहारिक नीतियों, स्पष्ट दृष्टि, दूरगामी योजनाओं, भविष्योन्मुख रणनीतियों और राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा उत्तरोत्तर सुधार की चाह के चलते सिंगापुर की पिछले पचास वर्षों की जल-यात्रा एक श्रेष्ठ उदाहरण है कि कैसे संपोषणीय विकास हेतु मजबूत आधारशिला रखी जा सकती है।

इस पुस्तक में सिंगापुर की विकास-यात्रा और उसके निर्माण में पानी की मुख्य भूमिका का रोचक वर्णन है। यह कथा इस मायने में अनुपम है कि निरंतर विकास हेतु नीतियाँ तथा एजेंडा तय करते समय, एक तेजी से बदलते शहरी परिवेश में, जल आत्मनिर्भरता की तलाश सिंगापुर के लिए कितनी अहम थी। लेखकों ने इस संबंध में योजनाओं, नीतियों, संस्थानों, नियम तथा कानूनों, पानी की माँग और पूर्ति रणनीतियों, जल-गुणवत्ता तथा जल संरक्षण उपायों, साझेदारियों तथा मीडिया की भूमिका का गहन विश्लेषण किया है। उन्होंने इसका आकलन भी किया है कि कैसे इस छोटे-से शहर-राष्ट्र की तेजी से बदलती आवश्यकताओं के जवाब में किस प्रकार इन सब मुद्दों का क्रमिक विकास हुआ।

सिंगापुर की जल-कथा दर्शाती है कि एक गतिशील समाज, बिना पर्यावरण की अनदेखी किए, किस प्रकार विकास के नए प्रतिमान स्थापित करता है। पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी तथा जल संबंधी चिंताओं ने सिंगापुर के तीसरी दुनिया से पहली दुनिया के राष्ट्र बनने को गहरे से प्रभावित किया है। यह रूपांतरण कैसे और क्यों हुआ, यही इस प्रामाणिक ग्रंथ का मुख्य फोकस है।

जल प्रबंधन पर कई पुस्तकों की लेखिका **सिसिलिया तोर्ज्दा**, थर्ड वर्ल्ड सेंटर फॉर वाटर मैनेजमेंट, मैक्सिको की अध्यक्षा हैं।

स्वच्छ भारत मिशन के लिए प्रधानमंत्री के लोक प्रशासन में उत्कृष्टता पुरस्कार (2018) से सम्मानित **युगल जोशी** जल शक्ति मंत्रालय में निदेशक हैं तथा पूर्व में ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के रिसर्च अध्येता रहे हैं।

स्टॉकहोम विश्व जल पुरस्कार से सम्मानित **असित के. बिस्वास** ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में अतिविशिष्ट विजिटिंग प्रोफेसर तथा थर्ड वर्ल्ड सेंटर फॉर वाटर मैनेजमेंट, मैक्सिको के संस्थापक हैं।

अनुवादक **रजनीश कुमार सिन्हा** पत्रकारिता और अनुवाद क्षेत्र से लंबे समय से जुड़े रहे हैं। उन्होंने देश की राजधानी दिल्ली से निकलने वाली दो पत्रिकाओं, क्रमशः 'धर्मात्मा टाइम्स' एवं 'साक्षी भारत' के संपादकीय कार्यों से संबद्ध रहकर अनेक वर्षों तक कार्य किया। संप्रति, झारखंड में वकालत पेशे से जुड़े हैं एवं अनुवाद कर्म के अपने शौकिया कार्य को जारी रखे हुए हैं। श्री सिन्हा का लेखक-रूप भी है और उनकी समसामयिक विषयों पर लिखे निबंधों की एक पुस्तक प्रकाशित है।

nbt.india
एकः सूते सकलम्
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

₹ 535.00
ISBN 812379113-5
9 788123 791135
19201948

Cover image courtesy : downtoearth.org.in